M-80

by :-
JAYANT
PANCHAL

रिनकैसकैल
द्धकोधोइनस
सकैजाउमकि
ते क्षिलपर
5 खदेतहै
रहै श्राप्रही

नहीतन्मसक्नि कीधीर १९ कोऊकदूरिनकैसकैपल
रेवि[illegible]र४ [illegible]क उदधिपिताहोनं दूकोधोइनस
कोककलंक १२ क. तकरत अभ्यासकेजाउमन
होतसुजान रसरि आवत.जा तने शिलपर
परतानिशान २० कोसुखकोदुःखदेत है
देतकर्महा करिधोर उरहैतुरहे आपही

अज्ञापवनके जोर २१ मली करत [illegible] है बिल
म बिलुमनवुरे बिमार मल. [illegible] गत
दिन दहत तनलागे वार २२ होय भले केसु
तवरो वुरो मैलके होय दीपकते [illegible]
प्रगट कमल कीच ते होय २३ [illegible]
जानके मिलन न को दुरजेन मिले जनाय

॥जानैउंनमिसमैंसासोजैःकंयथनामय
वाउ॥२४॥कहूंहूकारियरजातनकारज
विगरैनाहि॥कपरपुरखंधनपेतप
रदेघमगा॥फरिजाहि॥२५॥कहूंकहू
९ रोपतेउपजातदुष्षसरीर॥मेघ
९ ॥चोतिकैपरतपींजराकीर॥२६
॥भलेकरैनिवहैसवैमहततपरुपकेसं

१५॥ ग॥ चंदसर्पजिलअगिनयेवसतसंभके
संग॥२७॥ विनाकोहहूसतप्ररूपषेरकी
परतआस॥कोनकहतहेसूरकोघरघ
रकरतप्रकास॥२८॥उत्तमविद्यालो-
जिएअदपिनीचपैलेइ॥पलोअपाव
नठोरमैकंचन[redacted]तजैनकोइ॥२९॥कु-
धिवानगंभीरकोसंगतिलागैनाहि॥

ज्यौं चन्दन ढिग आइ बसैं विषन होत तिहिं माहि ३० सज्जन

दुख इ दियो दुरजन पूर अयास जैसे चंदन कौ घिसैं सुन्दर

देत सुबास ३१ सज्जन कबहु न चित धरै दुरजन जन कैधौ

दाहन मारै आम कौ त्यौ फल देत अपोल ३२ जाहि बडाई चाहि

ये तजै न उत्तम साथ ज्यौं पलास संग पान कै पहुंचै राजा हाथ ३

कैसे निबहै निबल जन करि सबलन सों गैर जैसे बसि

सागर विषे करत मगर सौं वैर ॥३४॥ अपनी पहुंच

विचारिकै करतवकरियेदौर तातेपाँव पसारि
पे जेतीलांबी सौर ॥३५॥ पिसुनछल्योनरसु
जनको करतरबि विश्वासनकै चूकि + ।।।

जैसे दाहे दूध को पिय त छाछ ही फूंकि
॥३६॥ फिरि न है है कपट सो जो कीजै व्यौ
हार ॥ जैसे हांडी काठ की चढत न दूजी
वार ॥३७॥ अति अनीत लहिये न धन
जो प्यारो मन होइ ॥ पाए सोने की छुरी पे
ट न मारै कोइ ॥ ३८॥ मूरख को पोथी द
ई वाचन को गुन गाथ ॥ जैसे निरमल

॥९॥ आरसी दई आधे रहाय ॥३९॥ अतिहठम
निकरूहठवहै वा तन करि है कोइ ॥ ज्यौं
ज्यौं भीजै कामरी त्यौं त्यौं भारी होइ ॥४०॥
लालच हू अवसो भलो जासो पूरै आस॥
चाटे हू कहुं ओस के कैसे जात पिआस
॥४१॥ विन स्वारथ कैसे सहै कोउ करु
ए बैन ॥ लात षाइ चुचकारिए जो है

उधारीधेन ॥४२॥ करैकराईसिघचहै
कैसेपावैकोउ ॥ रापेपउचकरकेग्रामक
हातेहोउ ॥४३॥ होइकराईतेकरापहकी
नहीनिरधार ॥ पांवोचनेगोअरकोता
कोकूपतपार ॥४४॥ होइनकारजमो
विनापहैकहैसोग्रपान ॥ जहानकुक्क
टसव्दतहहोतनकहाविहान ॥४५॥

॥८॥ अपनीअपनीठौरपरसबकोलागत्तदा
उ॥जलमेगाडीनाउपरथलगाडीपरना
उ॥४६॥सबदेवारडुबदीजिएबल
सोलरिएकाहि॥जोगुरुदीन्हेहीमरे
कोविबदीजैताहि॥४७॥मनकुँछल
जानिसमुझदेषिमनमाहि॥छलके
मोछनीरघटपूरेछ्लकैनाहि॥४८॥

कुलसपूतजान्योपरैललषिसदललछनगा
तं॥होनहारविरवानकेहोतचीकनेपात
॥४९॥होतनिवाहनआपनोलीन्हेसाथसमाज॥चूहाविलनसमातहैपूछवाधिकैछाज॥५०॥विनाप्रयोजनमूलेहूठटिर
नाहीठाट॥जानानहिजानगरकोताकी
पूछनवाट॥५१॥इंगितओआकारतेजा

९ निलतजेभेट॥ तासोंबातदुरैनहींज्योंदा
ईसापोर॥५२॥ जोकरियसोकीजियपहि
लेकरिनिरधार॥ पानीपीघरपूछनाय
हनहिनलोविचार॥५३॥ ठीकाकियविं
नश्रौरकै॥ तसाव्रननियपर्प॥ होतकग्र
घेरीरेनमैपरीजेउरीसर्प॥५४॥ श्राद
श्रादरनाकरैजातरहेपछितात्र॥ छरस्त्र

एनागनफूनहीवाबीफूजननाप॥५५॥
निचलसचलकेपछ्रजेसवलनसोम्रधि
कात॥देतहिमारतकीगधीएराकीकेला
त॥५६॥हिलनमिलनचितवनिमिरी
वैवीतेकरतात॥कोगीयाहोभिजपो
श्रासनरहीविभूति॥५७॥पिपवोलनप
टईसबीरहीवैठिकपवहेर॥चोरौकुति

१० यामिलिगईपहरोकाकोरेइ॥५८॥पी
उपरोसिनितेरहतनियनकहतउरका
ज॥अपनीजाघउघारिवोआपुहिमारि
एलाज॥५९॥सोतिलरीपियपेगईविहै
रहीफिरिसिपाग॥घरकोआहीवनगईव
नमोलजीआगि॥६०॥पियआयोजोवन
वितेवहुरोचलतविदेस॥दोनोवोईजोग

नैमद्वाश्रेआदेस॥६१॥अलीत्नहिसगर
हलकोकरनलागीरसरास॥गाउरआ
नीऊनकोबैठीभनतकपास॥६२॥नो
ठासोजोरतिकरीसोनकहेचितचाउ॥
मोजामेकेघाउकोपाउजानेकोराउ॥
६३॥सचनायकसचातियरमैअसचि
नहियसमाइ॥कीहंसामोतीचुगेकी

लंघनकेआइ॥ ६४॥ विपरीतिपरावरसख
॥११॥ नहीजोयारीदिनहोइ॥ उछ मित्रबंधस
वैजानिपरैसबकोउ॥६५॥ सहसनउ
वकोमेलईमकुनाकरनीहिलाग॥
सागरकोफलदोषहैवरहमारभाग
॥६६॥नचलानिकसीतीरकोनीरछुव
सानवरजीर॥ननश्रसवनरोवतवस

नतन विछुरनकीपीर ॥८७॥ कंचन-
समैजनासिकालटकनचलतडुला-
इ॥ अधरछुरावतपीयपैमानौहाह
बाइ॥८८॥ आजसखीहमद्दमिस्नो
नपिळुफारततपियगौन॥ पळुक्तारुली-
परेहोडहैपहि [illegible]लैकराहैकोन॥८९॥
वालाप्रथमवियोगिनीघरहीघरप-

१२ घंत॥वलमपपानेयसवीवलपा
हूवाठंत॥७१॥गुदयोघमपावसन
यनहिपमहिपाजडजला॥पिपवि
नतनतेतीनिरिलुकवडनतजत॥
जमाल॥७१॥रोमयोमवदैकवतलो
गप्रसेदकहंत॥सजनीसजनविपो
गनेसवतनरूदनकरंत॥७२॥तनड

षम नंदकुमनैन कुषहित्यमपोदुषषानि
॥मानौकवदूनाहजो बासकपसो पहिचानि
७३॥सोरठा॥ बधि विधाग्यन ज्ञाननेमवा
उम्नरूहर्षबल॥ इनजिहो हिमजाननि
हिघटविरहासंचारौ॥७४॥पहेली॥ यकना
रीम्नरूपरूपवैहैठैर॥ सवसोमिलैयकही
वेर॥ दिनाचारिकोअंतरहोइ॥ लपटैपरू
मुषनैक लोसंदेश सेमा सों कंठकनागबोप

॥१३॥वघुटावैसोइ॥१॥कँगही॥पानीमेंनि
सदिनरहैजाकेहाडनमास॥कामकरै
तरवारकोफिरिपानीमेंवास॥कुम्हार
काडोरा॥२॥जलमोरहेजूठनहिभावैव
सैसोनगरमजार॥मछकछदादुरनही
पंडितकरोविचार॥घरी॥३॥जलकर
उपजैजलमेरहै॥आवैदेवावसरोक

है॥कानल॥४॥करचोलैकरहीसुनैस्व
वनस्नैनहितांहि॥कहीपहेलीवीरव
रसुनौष्प्रकरसांहि॥नाडी॥५॥बांवी
वाकीजलभरीऊपरजोरीप्रोगि॥जब
हिवजाईवासुरीनिकसोकारोनाग॥६॥
हुका॥सीसकेसविनचुरिप्रातीनि॥
श्रोगनलेतसवनकेछीनि॥जोइजाइ

वाकेदरवार॥ताकेमउनरावतवार॥७॥
१४ त्रिवेनी॥स्यामवरनरूसोहनीफूलनघा
ईपांति॥सबकेमनहरखितकैसेस्वा॥स
वपरूघनकेगलपरैएसीलगरहीहैं॥८॥
ठाल॥सिरपरसोहैगंगजलकंडमालगल
माहि॥वाहनवाकोवृषभहैशिवकीहैय
कीनाहि॥८॥रहट॥रंगविरंगपकपंछी-

वना॥छोटीचोचअरुकारैघना॥तीसतीस

मिलिवेलिमैवसै॥जीउनहीपैउकैउसै॥१०

॥तीर॥दंबीसकग्रनोग्रीनारी॥उनवामेय

कसचसोभारी॥म...नहीअरुभृदिरिजग्ग्रा

वै॥मरनाजीनातुरतवतावै॥ना.उ॥११॥एक

नारीकरतारवनाई॥नाचहङ्कारीनाचहक्मा

ही॥सऊहरंगसदाहीरहे॥भावीभावीसव

॥२५॥ कोउकहै ॥२६॥ वीरघलोरी ॥ षेतमेउपजै
सबकोउखाइ ॥ घरमेउपजैघरवहिजाई ॥
फूर ॥२७॥ जोगीपेकमठीमेसोवे ॥ मदपी
वैमदमस्तनहोवे ॥ सवबालकाकानमै
लागा ॥ जोगीछारिमठीकोनागा ॥ २८॥
तापकागोला ॥ कुराइलिया ॥ विनाविचा
रजैकरैतेपीछेपछिताइ ॥ काजविगारैस्व्रा

पनोजगमेहोतहसइ॥जगमेंहोतहसाइ
चितमेचैमनपावै॥खानपानसनमान
रागरगमनहिनभावै॥कहिगिरधरक
विराइदुषकछुररतननतरे॥घटकतहैजि
अमाहिकिपोजोविनाविचारे॥१॥वीती
ताहिविसारिदेआगेकीसुधिलेइ॥जोवनि
आवैसहजमेताहीमेचितदेइ॥ताहीमेचि

॥१७॥ राइघातवनुरनकेताई॥करतूतीकहिदेत
आपुकाहियकिनसाई॥५॥जाकीधनघर
तीलईताहिनलीजैसंग॥जोसगराखेही
नैतौकरिराखअपंग॥तौकरिराखअपं
फेरिफरकैसोनकीजे॥कपटरूपबतल
ताहिकोमनहरलीजे॥कहिगिरिधर
बिरारूबरकजैहेनाहिताकी॥कोटिदि

सादेउ लई धन धरती माकी ॥५॥ साईं अपने
भ्रात को कबहु न दीजै त्रास ॥ पलक दूरि नहि
कीजिए सदा राषिए पास ॥ सदा राषिए पा
स त्रास कबहू नहि दीजे ॥ त्रास दियो लंकेस
ताहि की गति सुनि लीजै ॥ कहि गिरधर कवि
राइ राम सो मिलियो आई ॥ पाइ विभीषण रा
ज लंकपति बाजो साईं ॥६॥ साईं सज्जो न चू

॥१८॥ किएयथाशक्तिग्रनुमान॥कोजानैकोग्रा
ईहैतेरीपौरप्रमान॥तेरीपौरप्रमानसमौग्र
समोतकिग्रावै॥ताकोतूमनवोलिग्रंकम
रिकंठलगावै॥कहिगिरिधरकविराइस
वैपामसषिग्राई॥सीतलजलफलफूलस
मोजनिचकोसाई॥७॥साईग्रगरउजारमे
जरतमहापछिताइ॥ग्याहककोऊ

हीज्ञाहिस्ववासस्तेहमह॥जोहिस्ववासस्तह
रसोतौकोउवनमेनाही॥कीमदिरकीहि
रनसोतौकछजानतनाही॥कहिमिरथ
रकविराइचडोदुषपहैगोसाई॥अवरप्रा
ककीराषभई मिलिपेकेसाई॥८॥हंसा
उडिदिसिकोचलेसरवरमीनजहार॥
अवतौमिलिवोकाठनहैसंदेसनबोल

॥ १५ ॥ र॥ संदेसनब्यौहारभरैपरे जलतरहियो॥॥
जीउअंतुचिरजियै सदाउत्तमफललहि
यो॥ कहिगिरधरकविराइकेलिकीरही-
नमैसा॥ दैश्रसीसउडिचलेदेसअपनेको
हंसा॥ ८॥ कागाकहतमरालसोकौनजा
तिकोगोत॥ तोसोबदरूपीमहाकोउनज
गमेहोत॥ कोउनजगमेहोतकुटिलमैल

मलषाने॥ऊसरबैठिमर्गादषैबकप्राचार
नजाने॥कहिगिरिधरकविराइकहातेआ
एहौखा॥धन्यहमारोनागजहांसज्जनज
नकौखा॥२०॥कवित्त॥आसपासचहूंओर
वकावलकतफिरैकाकउपहासकरैच
रतचरीनमै॥एपरनेवासतजिकुपरने-
वासकीन्होमनषछितातगउतकाकारी-

॥२०॥तरानमे॥संतनसुकाविसमिरिसुमिरमा
नसरऊमिऊमिसासेलेतबूसटबरीनमे
॥जलजविहारमुकुतानिकेलोंग्रेरतगि
केसेकालकाटैएमरालपोषरीनमे॥११॥
मानसमानसरोवरमेमुकुतानिऊगेग्रमैं
भीतिपसारो॥छीरऔनीरकोनानैविवे
कजोपाहूतेऔरकहाग्नभारो॥ग्रानिप

शेविधिकेवसतवलजलानिकेसाथमहान-
लपारो॥सोईवेहालकैघरीकिलेतालमेकाट
तकालमरालविचारो॥१२॥तीनिललकरि-
ल्याइतीनिविविदेचोआइडेढललवोनमासी
वैसखपदाइहै॥दसदहातीनाहिदेषिकैसि
हातींपचननआगरीदाविरहतिलनाइहै॥व
रसकलाकीकलाकीन्हेहैसिंगारतनगुन-

॥२१॥ निधिमभवरासोमतिलवनाइहै॥अवतौभ
पोभैंयारहदूनीकरतसोअवकैरूसिजा
रहैतोकैसेहूनआइहै॥१३॥कृष्णचंद्रिका
यां॥आरंभ॥लैकरकागहीलाइफुलेललग्यु
हैग्नलालसोवेनीवनावत॥दैउरजेव
जेवजवाहिरकीचुनिचोपसोचूनरीलैप
हिरावत॥देवीहैग्नौरसोहागिलिकेतिको

भागकीवातकहीनहिम्रावत॥राधात
जामगराधिकापाइतलाहरिम्रागेहेकुं
लविच्छावत॥२८॥पीरीतनसारीदरदाव
नकिनारीचीरम्रोचकानिहारीम्राईदेवी
मठफजरी॥जैसेलालवेदहरीम्रगिपाये
घरेष्ठलेचंदसोवदनम्राउमानोचंददूज
री॥मैंतोविरमाईनेकुवातनलगाईजार

॥ स॥ ठगीवाकीआछेदेखिलोलकारीऊजरी॥ वडे
वारछोटीछातीलपोलाकुचोरीवेसनाति
आछिलातचलीगोरेगात गूजरी॥ २५॥ काम
केलिदंपतिकरतमागमोतीटूटेछूटेवारघा
नैज्योछवानिछुरवानिकी॥ वीरमेंदहसन
औदवनिदसनहुंसिकाऊनकात्तचरीऊऊको
रहरवानकी॥ तेसियेससकाकसकमसक

३५

उरोजनकी चिचिर पाककजमसिकुर निर
खानिकी ॥ कटिलचकलनिओफरकनि
अधरनासात्योरीकीजरनिओजरनिअ
खानिकी ॥२६॥ दूरितेदेषतहोकविदीर
रहैअबिपापरघूघरनाही ॥ ऊपरतेननदी
उषदाइनिवेगिचलोकहिसेचतिवाही ॥रा
तिदिनारहैजीउऊपोसोओसोचतव्यातरहै

॥२२॥ मनमाही॥ लालकेलागिगरेसोजरहू
रिवैटिकौरीकंधकैजबहीछाही॥१७॥मे
रोतु॰॰॰ामिलोजिञ्यरासोचढोरसरंग
भ्रनंगकेजागे॥ जाउनिगोउ्यचचाइकरा
हेकहालगिघूरिएबातनभागे॥ कैलि
परैकहुघातसगेनमेजाइकेपतिपेर
नमागे॥ कान्हहमैतुम्हैचिगरैगीजोछ

कौजेभूलेहूकाहूकेआगे॥२८॥सासुसु
निपावैकहूनाचननचावैफिरियाहीदु
पउचेउसासभरिपतुहै॥नमदुनिगो
डीछिनमाहिफेरैऔडीसीजानैनाकनौ
डीसदासोचकरिपतुहै॥गरुजानकोभीर
कोऊपीरवीरजानैनहीदेषिदेषिकापि
घरीघरीगरिपतुहै॥नितकोनमिलिवो

॥२४॥ वनतैकानकाहूविधियकगाउवसेहू
मसूसेमरियनुहै॥१७॥गहगहीगोरी
ग्वारिगईहुतीपनघटसोदेषरीकन्ह
ईकोटिकलपनतीजिकै॥ताहीछिन
मैंरैंरगभ्रौरैरूपभपोवीरमनगोगुपा
लपरतनमेतेछीजिकै॥पूछतिपरो
सिनिपोयकीयहरानीकछूकाहेंग्राग

आईअलंगनिपसीजिकै॥चोलीएकसाव
रेसोगागरीउठाईहैठोकलाकलोदेहगईफ्ल
कानिभीजिके॥२०॥वातकेबनतमेरीअली
नितहीतनटाकेसटानिमिलावै॥घूघताबी
रहोकेसीवनैजवसासमवैवतिपासनिपा
वे॥ज्ञानतलैवनमंडलवीचवानंदकेलौड
लेनूकेसभावै॥जोरसवारिनकोत्तजिसा

॥२५॥ यसवारिर जातन्न वारिरन्नावे॥ २१॥से
गलोगाइनिकोत जिकेक चिवीरहियभ
सठानिसपानी॥ नूपरहेरिवेकोगईकुंज॥
मेकुंजविहारीसनेहसोसानी॥ वैठीस
वीनमेन्ना निकोवाललपीतनमेकषूवे
लिनिसानी॥ दातनदाचिकेवोठतियाट
षिलालकोम्राषिनमेसतरानी॥ २२॥

फूलेभजनमूलजंगअंगअंगनिजागिउठी
कहाकहौचारञावैशोभाकीसनीनकी
चाहिचाहिरहैसबैमनठकुरानीजूको
अषिपाचकितहोतघरनीधनीनकी॥
रोमतनउठेसबञानंदकेअंकुरसेस्वे
दकनअंगअंगछबिछईजौमनीनकी॥ञा
वतहैलालसनिएकवेरहोनलागीक

॥२८॥ रकचुरीनकीगोतरकतनीनकी॥२३॥मि
टेसचक्रंगरागपागपेचपरेकहूकेकानि
दागभरेजनदचाएहै॥वसनसिलौट
ननचनचरौटलागीजेहेकाहूआपन
करौटपारिपाएहौ॥वीरकविकैसेकर
सानेआनआएहौजूमेरेजानलालके
पोजामिनीजगाएहौ॥ऐसेईहमारेहू

तजैसेंऔरघरतेंहमोरेआजुआएहौ।।२४।।
वेदनाकतीकरैकरजोरेंढरैतितहीजितही
जितआइगएहौ।।सामुहेदेखोनहीरहौटेढे
कहाऐसेकाहूपढाइदएहौ।।मासकामेल-
छिएकविवीरमलेजूमलेवलिजानिलए
हौ।।कान्हकहापरवाहितुम्हेहमकोअहो
हैनकोचंदभएहौ।।२५।।करतसनेहमैन

॥२७॥ जानीगति ऐसी है है जानि परी नीके अव
प्यारे न्यारे जो भए॥ रोम रोम रचि कैरी वै
सके देखाइ रूप ... व यह देषि है निदान दु
षपो रए॥ करि ... री कहा आप कि एकीन
ओ यह है पावै कहा आव जो वकूर वीज
लै वए॥ कैसी करी प्यारे सपी आपु ते सि
धारे और जन न मनसषा तीन रे मन न हू को लै

जए॥२८॥लागैनहीमनधामकेकाममैं
ग्रा छिनकेकहूसूघतसोतन॥जानौंनही
रीकहाभयोजीकोयभारहैप्रेमसमुद्रकोगा
तन॥वीरकहाकरौकासोकहौमिलिवेको
उपाउतौकाहूपैहोतन॥जादिनतेकहूंश्रीव
कात्र्याइसषीवएसावरोहरोहैमोतन॥२९॥
संगग्वालवालवीचसोहतगोपाललाल

॥२८॥ मारगमैग्राडैग्रारदानकोग्ररततहै ॥कुंज
कुलडोलतत्रग्रोबोलत मधुरबैनमुरलीव
जाइबैसेमनकोहरततहै ॥कलतसदेसोको
ऊपतनोहूनग्राइभीरखव्रजकेसेबालहीरग्र
वहूकरततहै । ॥गैरवनमालग्रौरकसेपट
पीतपटवैसेहीसवारिसीसचंद्रिकाधर
तहै ॥२८॥ जवतेकन्हाहेनमैमंडलवढ

हैज्वालविरहिनवालवघरघरहाहाहूतहै
पवनसंगलागतलपरम्रंगपाकीवीरहू
सरोदिनेसदचौरचनाम्रमतहे॥सीतकर
नाउकोहिमरूठीजिनहोहिम्रालीवावरी
विलोकोयाकहूपीलूफूलतूतहै॥औरनि-
धिजातकहूमैसाउतपातकैरवीसविसै
साविससविवाउवकोपरूतहै॥२८॥इति
उद्वेग॥ अथप्रलापमवजमेसवजूठहीलो

॥२९॥ गवसैपहकौनकहैमथुराकोगए ॥ वनमा
लचिलोकिगरेमविराजतभूषनलैसबअं
नए ॥ कविवीरहहेरमुसिकयाइकैआरसमो
रमूलकेहारदए ॥ सषिलागिगरेहौतोसो
तहीअवहीढिगतेहरिजातभए ॥३०॥ आ
व्याधि ॥ नाहिपाहिदेवषोरनाहिपाहिहि
याओरनाहिहैनेकरेजेपीठिपेटपीरपासु
॥ होहोकालिहदिषिगईकामलसोवदनपा॥

कोसोऽस्त्रिग्राऽरेखतहौमैसेफूलौकाञ्जरी॥
मनरिझवारिकौकठिनबातहेरीआलीरे
पिचलेजानकेसेआँखिनतेऊराऊरी॥तकि
नाकिवकिचकिओर... ऊंडैवीरखोसवि
सलनीकहूसावरेकौवाञ्जरी॥३॥पासपरो
सकौकौनचलावैसवैविषबोवूनहरीलो
गाई॥सासऊतैनबदीरततेदिनरात्तिकेत्रा

॥३१॥ सननाकहिम्राई॥गाउमेंमैसेवसापोदई
डिगनेवसेलोगसवे जवार॥कान्हनवा
तचलाइएकोमूसोहोहाकरौतुम्हैरामदा
हाई॥[illegible]॥दुहिवेकोदोहनीदईहैएकग्वा
लिमोहिग्वारिवारिजापैरतिरूपदीजि
यतुहै॥मैहसिदीनीउनहसिहायलीन्हौ
म्रऔचाकोम्रनहारिउनमानिजीजियतु
॥आजचउभागवीरमिलीजातजमुनाको॥

वोलीअैसेतवतेतनमनछोजिपतुहै॥ठिग
के[illegible]कसिव[illegible]सासिउसासलैकैओरे
निरमोहीनेलअैसकीजिपतुहै॥४४॥होहवि
देसरहेहरिघाइकैएकहीवारतजीहोअेके
ली॥मोहिमलविरहालसिफूलततथीरएवे
रीभएद्रुमवेली॥स्यामसनेहकौपीरनपाई
रीअगिलगोपहलवैसनवेली॥फूलेपलास
ज्योडीठिपरैगेकहाकरिहौकहूतूहीसहेली

॥३१॥ ॥३४॥ घर फिरि जाउ कवि वीरन्ह अनु चितवात
प्यारे सों वचन हे रीमन तासो नाहें रे॥ कुंज हीकों
चली जाउ कोलजाने कहा होइ वाह नपसारि
फिरि कहा दई तेल रे॥ वनही मे ठाढी रहे ठा
ठीठाठी कहा करो आ कही अके ली पंचवान
वसको परो॥ आधीवार वाटपार चंदमानि
करिआपा हो हाइ हाइ मेरी मा इत्र वहो कहा करो
३५॥ केसे हसी नके घो सटेरे चउ रोस धिकी॰

नेसकंधोविसरैगी॥ग्रीषममेवलराइकै
राषीइतांकोऊधीरजग्प्रोरधरैगी॥म्नार
नलालभ्रनौकोविवौरसपाकोउपाउक-
लातकरैगी॥पाइदरारररहीछतिपाग्रव
पानीपरेग्ररराइपरैगी॥२६॥उरोग्निरस्ता
नप्रातहूरवंदवंचकीकेकरीकुंभतरदान
धाराचलीफूटिकै॥कंचनगिरिकार-
म्रहितजिकाचरीकोकेघोसंमेलाएमार

॥३२॥ धमाकढूलूटिकै॥रतिपतिकेतनकी
ज्यावैटूटिगईवीरसरतिउसासनकी
पौनचलीछूटिकै॥कैधौंजगचक्रवाक
गहतसुहेरमैनछूटिगएपाइनमेफंद
रहेटूटिकै॥३७॥श्रीमासनेसवंग्रगनिम
षनन्याउहीकानललषेष्रनरागे॥नैनवडे
वहसैनसनेमनवैनसोमानौसुधारस
पागे॥कंचनवेलिसीदेषिएदेहदीऊक

चकौत कलोगात ग्रागे॥ होति हैवे लिसदा-
गिरिमेपहचीरककहा गिरिवेलमैलागे॥ ३८
॥ केकीकेकलापकलकूजनकेभवनपैमं
वनपैकोकिलापुकारीगाढगाढकी॥ धरीध
रीघेरिघेरिघोरघनदौरि दौरिधूमिधूमिघ
टनघमंडग्राढग्राढ॥ श्रीपतिसुकविमनैसी
तलसमीरधीरभूरपलगतमानौचापव

॥३३॥ नदाढकी॥दोहै देहदा मिनि विरहतनमा
मिनकोमाई कालकामिनिसी जामिनिग्र
साढकी॥३४॥ मदन[illegible]लमगनहैक
रनकूकै जलमई महिपगपरतनमगमै॥मी
पुनाचैवृजमै विरहाक्षिप माहना चैवीजुना
चैघमभैमपर नाचैनगमै॥श्रीपतिरसि
कमनसावनसुहावनमैआवनपथिकला

गेश्रानंदमगनमै॥ देहछायोमदनश्रछे
हतमोदिसिछायो मेहछायोगगन॰ले
हछायोजग न [illegible] परमसोहावनलले
घिलागेधावनमपरनकेचावनतेमिय
जारपतुहे॥ मदनतपावनतेश्रावनप
थिकलागेविरहवढावनकेऽरउरिय॰
तुहै॥ रसउपजावनसनेहसरसावनदे

॥३४॥ खाचनतडितछविद्युघभीरिपनुहे॥ए
होमनभावनलगेहैपिकगावनसोए
सभरेसावनपपानोकरिपजुहे॥४१॥मे
शमतिधारिएनिहारिएम्रसाठोपप
वतिपापपानकीविचारिएनमनमे॥
धीरजहरनलागेधूरितेभरनलागेधर
वाधरनलागेदिसिविदिसिनमै॥श्री

पतिलो मानिनीको मानवरजनलागे
प्रेमसरजनलागे नितछनघनमे॥ पि
पदरजनलागे तमग्नरजनलागे देषोग
रजनलागे वादरगगनमे॥४२॥आइहौ
कातिकमें तुमकान्हरमोहि घनानसोक
सेवचाउहो॥चाइहौसो तिनसारजिके
नितस्त्रीपतिनेहनपोउपजाइहौ॥जाइ

॥३५॥ हौजोघनस्यामगईकरितौप्रीनपामेवड्राई
नेंपाइहौ॥पाइहौजीवतमोहिनपीतमजो
नहिसावनमेघरआइहौ॥७३॥म्राइहैप्र
साठम्राठम्राठकेकठिनसाठस्यातीसीव
ढगीहौविरहविषसोकिहौ॥तमतौनि
ठुरनीकेचलिवेकहतमेरोधीरजठरत
घवकछुनहितौकिहौ॥रसकेनिधानरा

३ श्रीपति सुज्ञान पिय पाइ परिरावलेपपा
नो पातेरो कि है॥ संघर कदन वाधिकम
रलरैगो नव अंबर मे..न के अडंबर बिलो-
कि है॥४४॥ आठ आठ कर तन सा..अवधा
पो आली दूरी सी लगमि दिशा तम कीनम
ते॥ श्रीपति वैमैन माते मोरन केवैनमान
परतन चैन गीत किलीको भरमकते॥ भर

॥३४॥ पैचपारप्रीतिउरपैलहरहियोदरपैदिषा
ईचीनितरपैतमकते॥म्क कीविरहआगि
करकोकठिनछातीदरकासजलजलध
रकीधमकते॥४५॥आईरितुपावसकृपा
उसोनकीन्हीकाताछाइरहीअंगअंतउरविरह
दहतुहै॥गरजतघनतरजतमदनलषि
तमननीरनैननवहतुहै॥अंगअंगभंग

वोलैचातिक विहंग प्रान सेनापति साम
संचारगा हि चलत है ॥ सुनि छनि सुनि की
किलक सी [illegible] जको कलकी केकाके सुनें
ते प्रान एकाके रहत है ॥ ४८ ॥ दामिनी दमक
सुर चापकी चमक स्याम घटाकी घमक अ
ति घोर घन घोर ते ॥ कोकिल कलापी कला
कूजत है जित तित सीतल है हीतल समीर

॥३२॥ ऋकभोरते॥ आपोसषिसाचनविरलस
रसाचनसोलागोवरसावनसलिलचद
औरते॥४१॥ नीकौहेनि ... नलेप
धारअंतमेननैअंतकैसे ... सरवराइहो
आसरोअचधिकोसोअवधो वितीतिभ
ई दिनदिनपीतभई रही मरकाइहै॥सेना
पतिप्रानपतिसाचीएकएतएकपाद

कौतिहारेपाइप्रान नकोपाइहो ॥ ऋक
लीडरीहोछनदेषिकैडरीहौंषाइविष
कीडरीहोह नस्याम मरिजाइहौ ॥ ४५ ॥ दू
रिजदुराईसेनापालिडुबदाईदेषौंआईरि
तुपावसनपाईप्रेमपतिपा ॥ धीरजलध
रकीसुनतधनिघरकीसुदरकीसोल
गिलिकीछोहभरीछतिपां ॥ आईसुधि

॥३८॥ वरकीहियमेंजानिवरकोसमेरेप्रानप्या
रीपहपीतमकीपतिपा॥चौतीओधिआव
नकीलालमनभावनकीउगमाईवावन
कीसावनकीरतिपा॥४५॥उनयदिन
लगायआलीप्रमऐनआयउनयतेमह
भारीकज्ञालपहारसे॥कामकेवसीकर
नडारेअवसीकरनतातेतेसमीरजेवैसी

तलनुसारसे॥सेनापतिस्यामघनकोवि
रहछहरिरहथोफूलप्रतिकूलतनअर
तपजारसे॥मोरहरघनलागेघनवरष
नलागेविनवरषनलागेवरषहजार
से॥५०॥वनमेकुहूकेमोरवन्योइंदुघन
जोरपौनपुरवाईकीझकोरत्योंसचान
की॥दादुरपपीहापिकजीहाकेवढावे

॥३९॥ सोरअंवर मेठे जे गोति जो हिए न नानकी॥
नेनन तकी विंद अैसी वनक सोहाई आली पे
लीहे दो हाई चारो वोर पंचवान की॥ नीली
घटा धाई है छमं डि घन सीली की लीठीली
कर पाई हिहठी लीतरे मान की॥५१॥ धाइ
॥राई नौन वारत गोराई दे छिअंगन की
डुरे ना डुराई त्यो भराई सोभि रस्नि हे॥ ज्यो

ज्यौंस घरा सिान उद्धार निदत त्यौंत्यौं छंद
रस घरघर घेरी न घिरति है ॥ निउरादू हौ
नादी न्हेनी ठि निकसन कहे डीठि लावे को
उरपी ठि दे गिरति है ॥ जिन जिन ओर चि
तवत चित चोर त्यो त्यों तिन तिन ओर रहरा
तौ रति फिरति है ॥५२॥ देवन देवत हो उति
दूसरी दे वेते जा दिन ते नदुमरू पमे ॥ पूरि रही

॥४०॥ रीझहीउरअंतरआननआननओपअनू
पमै ॥ एक्रपियासनिपानतिहारीपैजाइ
मिलीनझुमद्र ज्यौंकूपमै ॥ कोरिकरौन
हिपाइएपक्रे [illegible] ॥३ गईब्रजराजकेरूप
मै ॥ ५३ ॥ काहूकेवंकचितैवेकीसंकनला
गौकलंकविसौकिनवीसौ ॥ चाठकुराइनि
कैाकविदेऊविरंचिरचीरुचिरावरेजीसौ

दैहोमिलाउतुम्हेहोतुम्हारियभ्मानकरौवृष
भानललीसौ॥बाम्हनकीसोववा।किसोमो
हनमो।हिगऊ।किसोगोरसकोसो॥५४॥ब
रुनीवघंघरमेगूदरीपलकदोऊकोपराते
वसनभगोहेमेचरखिपा॥वूडीजलहीमे
दिनजामिनिहूजागीभौहैधूमसिरछा
योविरहानलविलखिपा॥भ्मासूल्योफ
टिकमाललालओरसेलीपेन्हिभईहेभ्मके

॥४१॥ लीतनिचेलीसंगसषिया ॥दीजयदरसदेव
कीजियसनोगिनिषेजोगिनिकैवैठीहेवि-
योगिनिकीग्रषिया॥५५॥सीचीसुधावुध
निसाकुंदनकीवेलिकिधौसाचेभरिकाढीरू
पग्रोपनिभरतुहे॥पोषीपुषरागनिवपुषन
पसिषकरचरनग्रधरविदुमनग्रोधरतुहे
हीरासीहसनिमोतीमानिकदसनसेनस्पा
मतालसनिद्रुगहीपराहरतुहे॥जोवनज्ञ

याहिरसोजगमगहोइजोइजोहरीकीजोइज
गजोहरकरतुहे॥५८॥रसमकेग्यनघोलिघ
राकीरिघोरतत्रेविसनेहरचावे॥देवदत्तोग्र
ग्रीउरफाइकेडोरीगहेरसरंगरचावे॥मोह
तिसीमनजोहतिसीजनघोहिनसीतनमोह
चलावै॥चंचलनेननसेननसोपटवाकीवध
नटव्यासेनचावे॥५९॥देवदेघावतकंचनसा
तनमोरमिकोमनुनाचेमगोती॥सुंदरिसा

॥४२॥ वेमै भरिकाढीसी प्रापनेहाथगढीविधिसा
नी॥सोहतिचूनरी स्याम किसोरी कीगोरीगु
मानभरीगजगोनी॥कुंदनलीककसोटी
मेलषीसीदेषीहे ऐसी सुनारस लोनी॥प
टारगितचोलीतिढोलीघरी चुनिचाउसोग
म्हिउधेरीरमेठी॥जोरीगुलावलेले छिर
केछविभावसोदेपउभाउसोएठी॥सोने
सेरगितग्राठ निको लषि कोनेकेमानि

हियमेनपैठी॥ऊंचीदुकानपैवेचतपाननमो
रिनग्रैचतसीचित्तवैठी॥५५॥मीठेमहामृदु
वोलकहेहसिमोलकहैमुसिकाउसभाप्रति
॥देवमलाइवटोहेँमपाटडलाचत्तिचौरीलिय
चित्तचाइनि॥रूपअनूपभरीनघतेसिषसुधु
सुधारसहीकीरसाइनि॥हाटकेऊपरहाटक
वेलिसीवैचित्तिहैहलुवाहलवाइनि॥वनेनी
॥मदनकीमोदभरीजोवनग्रमोदभरीमोदीकी

॥४२॥ नहकी दुतिदेषी दुति दूनीसी॥ चाउरहै चित्त मैचितौतवारिदेतनवैवोवोलमोलमीठीषा उघीउत्तेनऊनीसी॥ राजवाटवीचवाम्रपार तवटाहिनिकीवाटचितवतोलेमनन्म्रापिन मषूनीसी॥ चूनरीसुरंगअंगअंगरंगरकेरंगदे ववैठीपरचूनीकीदुकानपरचूनीसी॥४१॥ ॥इतिश्री॥ अंतरपैठिदुहूपटकेकविदेवनि रंतरताउरम्रानै॥ देतमिलाउवनेम्रपनेग

नसारसईकिधोदूतीसुजानै॥ताहिलिए
करमैपरमैरहैजाकोसिवेभरमैसोईठानै॥ही
तीकरजनकीदरजैदरजीकीवहूवरजीनहि
मानै॥८२॥चीकनेकपोलचौकाचमकैचुनी
सदातचंचलदृगंचलनिचितनवानिवंकनी॥
कंचुकीमेकसेकुचकंचनकलीसीजीनेअंच
लकीओटझाईरंचकउझकनी॥चटकीली
चूनरीमेचोटसीचलावैमोहेचेरकसीचा।

॥४४॥

लियगजूतीकरकेकनी॥फूलसेकरतरंग
कउलागेजारूदेतचूहरीचतुरचितचीरनि
चमंकनी॥६३॥हपास्तुघिपोविसरीउतकी
सघरीपलजातहैप्रानचलेजू॥जोकहिय
तोकहपोनहिजातकहेहीविनाघरकोतेघ
लेजू॥देउदुहूविघिवूडतनेहिकीराचरचा
तनहीवदलेजू॥औरउराहनोदतवनेनक
लकहिकानभलेहौभलेजू॥६४॥जानिहो

जोउतवेजोमिलेकरुपाखासमोकहिवेके
ठिकानै॥ह्याकीदसातमदषिपैकहिपो
समुजाऊजपेजिपमानै॥पामनकीविनपा
एविषातनकीकविदेउजीकौनवषानै॥
तोसीहित्तहित्तकीतिनआरसुकोइतकीचि
तकीगतिजानै॥६५॥वारिहवेसवडीचतु
रेहोवडरुमनदेववडेइवनाई॥सुंदरेहोसुघ
रेहोसलोनीहोसीलभरीरससौविसनाई॥रा

॥४५॥ जबहूबलिराजकुमारअहोस्तकमारनमा
नौमनाई॥नैस्तकनाहकेनेलविनाचकचूर
केनेहैसबचिकनाई॥६६॥माघनसोमन
दूधसोजोबनहोदधितअघिकेउरईठा
छैलघचीलीकलाजकेआगेसमेनस्त-
धांवसधासबसीठी॥नैननननेहचवेक
हिदेउकजावतिवैनवियोगअगीठी॥
ऐसीरसीलीअहीरिअहेकहौकौनलै-

भैमनमोहनैमीठी॥६७॥ अथपटकीलिष

ते॥दोहा॥अमलकमलगनपतिचरनस

मिरसवैससचित्त॥करोअकारघकार

लौदोहासहितकवित्त॥कवित्त॥आसन

एकलसैहरिराधिकाचंदनचौरि३तैउते

टारी॥मोर३तेसिरफूलउतैतनस्याम३ते

औउतैतनगोरी॥पर्दनीपीतपिछौरीइ

॥४६॥ तैउतैघाघरोचूनरीसोहगबोरी॥भाषैसु
वेसललाैमनमेरलैदानिसियौसमनो
हरजोरी॥२॥जसला॥आईत्तीहरिभजनको
छाैटैलगीकपास॥३॥दोहा॥इतैअनोषी
ग्वालिनीउतैरसिकनदलाल॥वरनौर
सअगरासनौऊगरापरमविसाल॥४॥
कवित्त॥इंदिरासीलसेइंदुमषीजडितात

नमेचनमेचककारी ॥३॥ समान उरोज

दोउकटिकेहरिडीठिमहाम्बनिवारी ॥ला

चसंचसमरालनकोगनेमत्तमत्तंगनकीग

तिहारीजातिचलीदधिवेचनकोतिपले

तनगातिनजहागिगिरिधारी ॥५॥ मसला ॥

ईरेलागिगपरोसिनिनिवहौकेसे ॥ दोहा ॥

उठउमगसोलालनूगूठग्वालिनीदेषि

॥ ४१॥ ॥गयनिकटम्रतिचनकसोकनकलता
लोलेखि॥ १॥ कवित्त॥ ऊरधदोऊमजानि
करेम्नरूउचेउराजनसोहतछाती॥ सुंदर
म्रगस्गंधसनेवरवंकविलोकनिसार
सराती॥ रूपकीरासिसवसनिलारतगात
चलीमदसोमदमाती॥ चोदधिवालीउ
तै कितजातिहैजानतिहैहौकान्हकाग

॥नी॥ ८॥मसलो॥ उलटाचोरकुनवालैडा
रै॥ ९॥दोहा॥ एनीनैनाफिरीरकलैपोकान्ह
जगातीकोन॥ इलाञ्जमलेहैकंसकोइलक
हिकीव्हाग्यान॥१०॥कवित्त॥ एरीबरीर
हगायचध लम अ्रान नम्हेयहिमारगपा
यो॥ कोनकीहोकहोनामकहोकिनकेव
लसोनमजोरजनापो॥ वैठोचलोवनसी.

॥४८॥ वटकोलटकाल्हसवेसनभू लिवतापो॥
लैहैचुकाइसवैदिनकोसषिदानमैजो
षतिपामैछपावो॥२१॥भसला॥पक
लोकरूकरलादुसरेनीमचढा॥कान्ह
परलकान्हरवचनउपज्योकोपक्रसपन
॥करषभरीकामिनिकहपोचालौराषि
जवान॥२३॥कवित्त॥केसेनिकासत

चैनभरविषकौनकेहौ कितततेइतआइ।।कौ
नकेगेहरहौव्रजमेंअरूकौनकेकानरहौव
नछाय।।पेडभरेपोसवंसकवैसखिरोक
तिगोलगुमानजनाय।।जानतकौतुम्हैपा
व्रजमेललाकौनकेमोरमगतिकहाय।।२४
।।मसला।।काकाकेभैसीभतीजेकेगोंद।।
।।२५।।दोहा।।येरेकोजानैकहायौरितिस

॥४९॥ सैनाहि॥ भूलीहैमदरूपसोंवसिजनिहैव
जमाहि॥१६॥ कवित्त॥ खेलतग्वारिनग्वा
रिनमेंछलिकैव्रजमेंहमनेहपसारो॥ हो
सषिनंदजूसोमतिकोसुततखेलतमैघर
दैपनमारो॥ नामअनेकरूवेसंकैनाच
तैनसुन्यौसषिलै गिरधारो॥ मोहनमे
मुरलीधरमैमैनपोव्रजमेंद्रधिदानस

चारे॥२७॥ मसला॥ घाइकागोगेपीसैकाजै

पाल॥२८॥ गोकुलमैकान्हरतुम्हेपालोजेलम

लिनंद॥ दिनाचारिबीतेनहीकरनलगेछल

छंद॥२८॥ कवित्त॥ गेहनगेहनगोरसमागत

रातिनकोनवनीतिचुरायो॥ सीसमपूरकेप

छधरेब्ररूकामरीकारीसदाअगलायो॥ गू

घतगुंजकेहारऊबेसलबेदसंगेपनकेमद

छायो॥ कानननमैनऊन्योअबलोपकवारगोरा

॥५०॥ जकहा कित्त पावो॥२०॥ मसला॥ गदहा
कीगो निमानो मनेकाधाव॥२१॥ दोहा॥ घ
रघरहमगोरसहृ पोपालोजसमतिनंद॥
विनगोरसकौदानसपिचलीनतेरोफंद
॥२२॥ कवित्त॥ दोरातृम्हे हितगोरसकेहम
दोषहमारेकहालोगनेहो॥ लेलैमनार
षसोदधिदानमेचंचलनैनकहालौनचै
हो॥ जोनित्तयाहेसवंसकहेहमरातिकी

आज निकुंजमे रैहो ॥ दीन्हे बिना दधि दा
न भटू उठि आदर हीसो प्रभात हि गैहो ॥ २३
॥ मसला ॥ घरबिवाहक्कू पिपरिनजाइ ॥ २४
॥ दोहा ॥ नटनागर के बचननसुनि कियललो
हैनैन ॥ कोपभरी कामिनि कह्यो चलो न ब्रिज
मे चैन ॥ २५ ॥ कवित्त ॥ नेकु जो बानसभारि-
न भाव तरा घत्त हो त्रि पजो भजनापो ॥ ना

॥५२॥ रिनपावतहैनिवहैतुमनाथेनयेम्रमाने
कोकन्याधे॥ जानिपरीतुम्हेभाखेसवंस-
पोगेलमोरारिकेमोहिबिकायो॥वाधेदु
चोकरजेहोचलेल्ह्निकंसतिहारोहच्चा
लजेपायो॥२६॥नानाकेग्रागेननेउरे
कीयातै॥२७॥दोहा॥चालहमारीचोप
सोकहोकंससोजाउ॥देगोरसकोदान-

काहमैवधायोग्यारइ॥२८॥कवित्त॥चालहमा

रीमतेम्रचलोलनीकोसिगरेव्रजमंडलघ्यार

मैं३ईजलतमै३ईघोलतछै३भरेमैजगातल

गाई॥दीजसवैसकोहदधिदानकोतुम्हगने

नीनईइतन्यार्ई॥जेलमकोइइतेनउतेभईना

हकतेवकवाहिलबाई॥२९॥मसला॥चले

नपावेकूरननाउ॥३०॥दोहा॥ [illegible] कीली

॥५२॥ मामिनि मई कान्ह वचन सुनि कान ॥ कहो
जगत मैं कैल यो दही दूध को दान ॥ ३१ ॥
कवित्त ॥ छोडौ गहौ न हो गोलन ए तुम जा-
नि लई हम रीति तिहारी ॥ होछलघं दम
रे सव गात न बात तन जान न तहौ हठधारी ॥
गै पन घेरो सुवसा कहै सषि वो ठौ वना
र कै कामरी कारी ॥ वो लिन स्याई नु मेषि

नएकमेंग्रेहैजवेम्रालिमीरहमारी॥३२॥म
सला॥छोटीछार मेंसोरे ठाढि॥३३॥दोहा॥
मीतिरहीप्रातेसवेहमकोदेदधिदान॥तु
मकोतोसहेकैनहीमदकोअधिकगुमा
न॥३४॥कवित्त॥जातिमेगेलमीअंग
निमैसखिसोलखिकैनिसिचासरफूले
॥गोलकपोलविलोलविलोचमेंपैठीत

॥५३॥ हैग्रं ठिला३ दुकूले॥ छीनलईतैमराल
नकीगतिपातेल्पेसकहैमतिभलै॥ कयो
चित्तवैचलवारभद्गूचितुचाउवठाउच
का३उमसलै॥३५॥ जोगीकाकेमातकले
दरकाकेभाई॥३६॥ दोहा॥ ऊजकिऊप
टिकुकिकेकहेकामिनिकान्हनमलु॥
कलामालुलादकहौताकोदेउमसलु३७
॥ कवित्त॥ कीनेपटानकटारिपाप्यानहै

तासङ्गौचादल्लेऊकोगनावो॥२सभीरंगि
तसेतसुनोतुमलादेनमैमघरलवताको
॥हाथिनकेहलकानलिएसगभाघेरुवं
सनघोरचलावो॥मालुवताइएसाचरेमो
सनतोसनजाकोमसलचुकावो॥३८॥मस
ला॥कोपरीनजोपरामहलकामनमारे॥॥
३९॥दोहा॥नहिमरगमदनहिम्रगरहैन

॥ ५४॥ नहींतगारुकोजाल॥ नहिमिश्रीलादेस
नौनहीकंदकोलाल॥ ६०॥ कवित्त॥ नारगी
नीवूनश्रीफललादे छोहारवदामनलौंग
सुपारी॥ चंदनवंदनछेरुनदाषहैपानइ
लाचीसुषाउनषारी॥ माषेसवंससकपूर
नकेसरिविद्रुमजालनकेउकिनारी॥
वेगिचताइरमालगोपालसोदैचलौजा
कीजगाजितिहारी॥ ६१॥ मसला॥ नोषी

नाउ निवास कीन हंनी ॥ ७२ ॥ दोहा ॥ टाट
वाफरु अरु चापकदा नहिन लमल गोपाल
॥ कीमषापल्लादेन हीअरोरा [illegible] लाल
॥ ७३ ॥ टीकातातंक वरीदोन हीअरु सीसके
फूलन वीन विचारौ ॥ वेसर औ वंदियानक
जीरनकंठ सिरीनको वेलनभारौ ॥ ता [illegible]
रानसवेसवंकोहेत [illegible]औचगलीकक

॥५५॥ नानहिहप्यो ॥ कान्हकहाकरिवेई तुम्हैच्छव
कौनकोदीजैमसलतिहारो ॥ ५४ ॥ मसला
॥ ररकनकलगाजैटरितीहै ॥ दोहा ५५ ॥
ढीलपाओमंजीरउअमवटकोनहिमा
ल ॥ छापअगठीलबठक़नौनहिलादृगो
दुमाल ॥ ५६ ॥ कवित्त ॥ ठानतठानअठानन
कीअवनोषेनयअवकामअनुमानी ॥ तीर

तुनीरनकोनलिएसगग्वानकमानलि
एमुलत्तानी ॥भा वैसुधेसकहालोकहौ
ग्ररुलादिनहीहमडालकपानी ॥ कौन क्यौ
कीलेतजगातिकहैतुमबोलतमैंहि
कान्हगुमानी ॥४७॥ मसला ॥ ठठेरेठठेरे
वदलईका ॥४८॥ दोहा ॥ उहडहहासौपा
वचनसुनिबोलेकान्हउताल ॥ जोतौते

मौ०१

॥५६॥ बरन्योसबीतेतौतामैमाल॥४९॥क॥
डोलतमंदगयंदनकीगतिछूटतेड
गरंगवनापो॥घाघरोछूमैकराटरिपा
कौंअरूरसमीचीरमहाछविछापो॥
कंचुकिंतासकीभाषैसकवेससोबाद
लेकीत्योतनीतकसापो॥वनीवडीहैनि
तंवनलोसषितामेअवामघतूलवधा

मे

यो॥५०॥मसला॥ओमडोलीपाठकीपयादे॥

५१॥दोहा॥ढरततेरश्रघररसमिश्रीकंदसमा

न॥म्रगमदमाधेनगरतनश्रगरमलाश्रधा

न॥५२॥कवित्त॥ढाकेपयोधरश्रीफलनीवूसे

गोलकपोलहैनारंगीमानो॥कोठघ्रोहारासे

श्रावैवदामसेबावासुपारीलवंगसुपानो॥

वेदन।कीकियलेपसवंसपोवंदनसोभरी

॥५१॥ माग वृषानो॥केळसीग्रीवालखेसषिते
रीसोविद्रुममालहलैहयजानो॥५३॥म
होलिपाहोलदेजगठनाहीतूरत॥५४॥दो०
नवलफेंदकोसपीवट्वालीन्हेलाल
॥मलमलकीचालीलसैकीमषापउरमा
ल॥५५॥कवित्त॥नीकोमहासिरमेसिर
फूलहेवीजाविराजततत्योत्रातिटीको॥वे

ब्यंतरैकेजंजीरनसोजुतवेसरवेसंऔ
केढसिरीको॥टाउपछेलास्वेसवषान
तऔकनाहलैहारसुहीको॥स्यामचु
रीपहिरेदरसावतजोहतगोसषिमोहत
जीको॥५६॥मसला॥नाचिनजानैआग
नटेढ॥५७॥दोहा॥तेरेंऋधरनपरसबी
लटकनलटकतलोल॥छापस्रगूढीऔन

॥५८॥ वरौ तेरो बरस कलत्र मोल॥५८॥ कवित्त॥
तीरसैं नैन तुव्दी रसी नासिका मौहै कमान
सवेक चढापो॥ ढालसी दोउ लते सै पलकै
गुरु वेक विलोकन ते गसो लापो॥ भावै स
वसन्त नंद सो कान्ह रतै मन मे रोम लाउन
गायो॥ कौन जगात्ति कोडौल करै सखि ते
राकहपास वतौ मै वतायो॥५९॥ मसल

१२ ... धार ... धार बाज
पड़े

॥ जेतीकावर्धकुम्हारिनिसत्तीहोइ॥६०॥
दोहा॥ थिरकैकैगोपालतनताकिहसीवर
वाम॥ कहयोकठिनहियकेनिठुरभएजु
गातीस्याम॥६१॥ कवित्त॥ योरोरहोदिन
द्वैरभईस्त्रघीजानदेमोहिमहाहठधारी॥
जाननपैहौघरैरसनसावरेसासहमारीकि
हौरसभारी॥ कालिहमैजेहौसवेसकहै

॥ ५९॥ सषिमोहनमैंअवत्तोसनहारी॥ जोतैक
हीसोसहीवडेप्रातहिदेहौमैंप्रानिजग
जितिहारी॥ ६२॥ मसला॥ योरीवातनिहो
रवउा॥ ६३॥ दोहा॥ दिलदराजतेरोसषी
संकासकलविदारु॥ हसिकैमोहन
योकहयोलागोहियजिमिहारु॥ ६४॥
कवित्त॥ देषैसुनैनकोऊकत्तहूइतवले

रु॰ कौ॰ जाय देखो वनमाही ॥ सीतल मंद सु ॥१०३॥
गंध समीर सषि पोन चले वर कीर वाही
॥ फेरि न कु सोस मोरि मि लि है सु नैना कोस
वस करो चित चाही ॥ याको है कै मन मोह
न को पति गोप वधू की गली घर वाही ॥ ६५
॥ दूध को जरा माठ फूंकि फूंकि पियत है ॥
६६ ॥ दोहा ॥ धरत तर्क है मंद लाज नत वा

॥६०॥ छ्योमारुत्रपार॥रहो रहो कहतै रहीमो-
हनकीन्हो हार॥६१॥कवित्त॥धास्याली
जजकी कर कारत छोडो पाहैकिकोऊ
इतआई॥मानै न कान्ह गहैकुचकंच
सचु वन कातं अनेद वढाई॥भायै स
वंस दोऊ कर सोंग हितकं मिस कल
तासी ल चाई॥छराकैन घेरत छवीली

छिन्नो मरिकै रुपसो छातिपामेलगाई॥८८॥म०
धोवीकै विवाहगरहाकेमोरवाधाजाइ॥८९॥
दोहा॥ नीचेनैनकिएनवलनागरिसहितसने
ह॥मोहनसोमुसिकयाइकैकीन्हीकेलिप्रछेहा॥
९०॥नीरदमेकिधौविज्जुछटाजरीकीधौमि
लीहैंनिसाकोजोन्हाइ॥कीधौतिमिरालिमेस्वर्न
लतामिलीकीधौमनोजहियरतिलाई॥माषै
रुचैसकिधौमरिामालमेचंपककलीपकरेरतदे

॥६१॥ साई॥कलिसमैहियप्रकान्हरकेलपटीपकगो
पवधछविछाई॥७१॥नदीउतरिरस्नाउसो
कीजैकहाजगाज॥७२॥दोहा॥प्रेमपगेदोउ
अकेछकेनरस्कौंप्रग॥नवलनेहदोउनल
उमग्योछिमितअंनग॥७३॥कवित्त॥पीतप
टानमनारतहैतनछैलछलीछातिपालागि
छूटै॥जोरंततेनेनमरोरतसोकुचभाघतप्या
रीपियपावदरूटै॥मानेकहोनसुवंसकेहेहरि

सोरसुनेसिगसकीनकेजूरैं॥मोहनमोहिनी
केसगकेलिकैकोसखनेकअनंदकेलूरे॥७४॥
मसला०॥पदारुपारुचांनिनिपाधरिदीनदस
सेरा॥७५॥दोहा॥फुरसतिसोदोउ छकेनके
थककेकरिकेलि॥निरषनलागीतनवसनगो
पवधूनवलवेलि॥७६॥कवित्त॥फेलिगयो
तनकेसरिकोरंगचित्तिवीरकहौकिनफा
गो॥कैधूंगिगपानसकीअनमोलसोकेहरात्ता

॥ ६२॥ रामलछमनिवारो ॥ वारहिवारसवेसकहेस
खिकेनखसोहिपतालविदारो ॥ मोहिरहीन
महासबनेलुधिकैपहकीन्हहवालहमारो
॥ ७७॥ फुरकहेसा पुनाहीरहत ॥ ७८॥ दोहा ॥
वचनसखीकेसुनतहीकहेउकान्हमुसिका
इ ॥ वैसेसकलसिगारसोहोसखिदेउवनाइ
॥ ७९॥ कवित्त ॥ वेसीरवीरनतेसरूऊाउकेवा
रनकीफिरिवनीवनाइ ॥ वेदनसोभरिमागसो

मोहनअंगनहीमेसुगंधलगायौ॥माथैसुवं
सघुटीमुषऊपरनीलीमलासलटएकसोहाई॥
मानौमनपंकानिसकांपिपूषदैनागवधूपकपा
सहिआई॥८०॥मसला॥वहिवहिमरैवैलवा
वाधेघाउतुरंग॥८१॥दोहा॥नाललालवदीदई
नैननअंजनचारु॥टूटिपरोफिरिपोहिकैप
हिरायोहिपहारु॥८२॥कवित्त॥मानसमान
गहौसिरफूलकोत्योंकस्योवीजेमलाछविघ

॥६३॥ यो॥ केसरिसोसवअंगलगाउकैचंदनकोफि
रिलेपलगायो॥ केचुकीकोपहिराइलवेससो
चीरूमैहीचुनिकैपहिरायो।।सुंदरसावरेने
हनपौकरिगोपवधूकोसिंगारवनायो॥
॥८३॥ मसल॥ भागभीतरजलसावाहेर॥
८४॥ दोहा॥ मोहनसोमसिकपाउकैकोहपावच
नकरिप्रीति॥ समविसलोनीससिमुषीकै
नेकुविपरीत॥८५॥ कवित्त॥ मोहिमहाग्र

२११ ...

वदेर भई सुनु मोहन मै घर को अब जैहौ ॥ औ॥ ६
रन भावत जा पेज रूर सो हपा अब एक घरी नहि ॥
रहौ ॥ भाषे अनेक सु वंस कहे सषि कान्हर मै अ॥ ५६
ति हौ दुष पैलो ॥ जो मन मानी करो तुम तौ फिर ॥
भूल्यो नही पहि मारग अहौ ॥ ८६॥ मसला ॥ मेरे ॥
लाई अगिना उ धरउ वसे दूर ॥ ८७ ॥ दोहा ॥
जेतो सुष विपरीत मे होत सनौ चितु लाइ ॥ तेतो
सुष नहि ऊपजै कोटिन किए उपाइ ॥ ८८ ॥ कौ॥ कबित्त १

६४ ॥जीतिलिपोपदतैरेपथोजनपातेजलाइक
रैजेलसायनै॥जीतिलपोतनतेरेभटूरूसनकुंद
नपावकमेतननतायनि॥भाछेसवंसतेरेचष
चंचलत्याहीकुरंगनितैवनघ्छाइनि॥जीतन
हारीसदाविपिरीतिकोऊतरूदेतनकोसुष
२ दौनि॥८५॥नसला॥ज्यारीजरिगैत्रैठौनघू
रि॥८६॥दोहा॥रीतिसम्रझिविपिरीतिकी
लाजभरीमुसिकानि॥मोहनसोमनमोस्की

गह्मैमोदसोपानि॥ ८१॥ रसकौवसकै विप
रीतिरचीमनमोहनगोपवधूहरषै॥ गहिकै
कटिमोहनकीमसकैमरुछंवनकोकरिकै
करषै॥ मुचतेश्रमबुंदछुटैकुचपैस्यसवेस-
हिए उपमापरषै॥ ससिकारनसोसुरमानहि
के गनसंकरकोमधसोवरषै॥ ८२॥ रंडीकेउप
जेतेलीकका॥ ८३॥ दोहा॥ ललकि ललकि-
लालचभरीलपटतलालहिलोल॥ गुनगरबी

॥६५॥ लीग्रहगहीग्रमतिगोलकपोल॥८४॥क०॥
लौंटनलालनपावतहेछतिपाछपिकेचष
चंचलजोरे॥भातिअनेकनआसनकोफीर
अंगनकोअहिलाइमरोरै॥भाछेसुवेसमनो
रथसोकरिऔरतिनापकको मदतोरै॥मो
हनसोहसिकमाइकहेअवपानकरोसि
सिकीनकेसोरै॥८५॥मसला०॥लीलैकाक
रियाबोलेकमेउ॥८६॥दोहा॥चोरुआप

नीजीतकीजानितन्योविपिरीति॥ उठिकै
मोहनहसिकहेउभलीतिहारीरीति॥ ८७॥
कवित्त॥ वारनेदोऊदहूनके ऊपरदोऊदहू
नसोनेलवढावत॥ दोऊदहूसोविकाइगर
अरदोऊदहूकोपेरललचावत॥ छैलछवी
लीसबंसवपोनतदोऊदहूनसोरिझिर
जावत॥ दोऊदहूनकेलीमेसमाइगेछोडिवो
दोऊदहूनमभावत॥ ८८॥ मसल॥ वोसन

६६ केचोहूकलपित्रासैजाती है॥ ९९॥ दोहा॥ स
सिवदनीमौसिकराउकैबोलेबोलरसाल॥
बडीवेरवीतीहमैघरमैवेनदलाल॥१००॥क
॥सावैरसीसनवाइकेल्पोजोपैदेरभईतोभई
घरमैया॥ओरकहाकीहयतुमसोसुधिमेरी
भट्ठनकनविसरैयो॥ भाषैसुवसदुवोकरगो
रिकैनेलनओरनहीसोजानैयो॥ कीजिएकेलि
कलोलसखीनितलैदधिभाजनकोउनमैचाई

मसला॥सूतनकपासकोरीसोलह्रालठी॥॥
१०१॥दोहा॥येरेलाललालचमरेकरतञ्रमित
अनमान॥गोपवधघरकोचलीदैगोरसको
दान॥१०२॥कवित्त॥वोरिनहोत्तविरोधकमे
कहैजेरसरीतिहिकोपहिचानै॥मानमेमा
ननीकेताकहाकरैतेवेपिपामनमेनहिआ
नै॥दीठिसवेसकरूपाहेवधानिकैगोपवधू
ञ्रोगोपालकरानै॥दूधकोजेसोईञ्रोरत

॥६७॥ लोगसौतैसोईवामे मिठास्सुठाने॥१०४॥
मसला॥घातकेअपनअचवत्तकेविराम॥
१०५॥दोहा॥सरसदानलीलास्नौताको
पयअपार॥सनिसुवसभाव्योनिरषिनि
जमतिकेअनसार॥१०६॥कवित्त॥ससिसा
रदमैरदपारदसोसवलोकनिमेजसताए
मही॥दुवदीरहादुछ्रदरिकरीअरुअानद
सोउरमाछिवही॥पहसनिसुवसविचारि

कहीगजराजनवाजिनमेसोचठी॥ सब
संपतिसोजतमकिलहीनटनागरकोज
गराजोपठी॥१०७॥ मसल॥ सरगतेगिरीष
जरमछ्टकी॥१०८॥ दोहा॥ हरषिहरषिहरि
कोचरितजेसुनिहैचितुलाइ॥ तेजगमेसु
षकोलहेसकलसंपदापाइ॥१०९ कवित्त॥
हरिकोहियमेधरिध्यानकहैपहहैमवसा
गरकोतरनो॥ रसद्वैवसुचंदकुंवारसनैसि

॥९८॥ तेपछचतुर्दसहीधरनो॥ मीलिनेदनवार
सवसकहेदषदीरघद्वीरदकोहरनो॥ नदंन
देनश्रौनटनागरकोरसकोआगरोजगरोव
रनो॥१०॥मसला॥हसिहीसवार्द फूहरकेरो
है॥११॥दोहा॥छंददहोहराअैारऊसनौकवि
नवषान॥कहपोप्रकारछकारलौंअरूप्रसिद्ध
उपषान॥१२॥कवित्त॥छहतजारितुमध्य
प्रसेदसोता रितुमेऊघिवंतनजानो॥अैारउ

पाइकघूनचलपोतचचाइडोलावनकोमत
ठानो॥ठेकीचलावोसवैमिलिकैपहजानि
सुवेसपकत्रवषानो॥पाहिपठेसवपंडि-
तभाषतमारूतमदवहैमनमानो॥१२३॥
मसला॥छेरीकेमहकउकमहरासमातहै॥
१२४॥इतिश्रीसुवेसकृतठेकीसमाप्तम्॥

॥ ६४॥ श्रीगणेशायनमः॥ अथगरुडपचीसी॥
मूल॥ द्विजरगसोद्विजरगिरहेद्विजर
गसेमुखमांहि॥ द्विजपरशिरउरद्विज
श्रीरामः
चरनद्विजरघुकसोसहाहि॥१॥ टीका॥ ना
गवेलिद्विजनद्विजरदनद्विजपीतकीहि-
एचद॥ द्विजपक्षीद्विजभर्गुजासमु-
झिरूपनंदनंद॥२॥ मूल॥ वारवारस्व

त्तिवार रीआवतहैमनवार ॥ वारवारस
वदतहैघरसीसपरवार ॥३॥ टीका ॥ वेरवेर
रविवारस्योवारसमऊधवार ॥ रोमरोम
औमोरपेसवकहियपतहैवार ॥४॥ मूल ॥
गोधरगोगोकामकेविकलहोतगोहेरि ॥
गोतेगोभ्रमहोतहैगोगोस्नतनफेरि ॥५॥
॥ टीका ॥ गोछितगोदृगवानगोगोइन्द्री
गोदेह ॥ गोपानीगोवज्रगोसदिगा ॥

निलेह॥६॥मूल॥मृगमद्दवेदीहारमै
उरगंजनकोहार॥करतविहारनिहा
रकेरामदपाहिपहार॥७॥टीका॥हार
भारविचमालहैपनिहरषतसवदेषि
॥कुमसोचतुरविचारिकैहारप्रथेजि
यलेषि॥८॥मूल॥स्मरभीमदकोतिल
कहैस्मरभीचरचितअंग॥स्मरभीसमति
पलननिकोआवतस्मरभीसंग॥९॥

टीका ॥ सुरभीमृगमदकोकहतसुर
भीचंदनलाउ ॥ सुरभीवळ्ररिवसंतरि
तुचौथीसुरभीगाउ ॥ १० ॥ मूल ॥ मारत
नय केसेनपनमारहुतेसुकुमार ॥
हसतलगतहेमारसेमसीसमारकेबा
र ॥ ११ ॥ टीका ॥ मारहरिनअरुकामपुनि
मारुअमीअरुमोर ॥ कामसोचारिविधा
रिकेसात्तछनदकिसोर ॥ १२ ॥ मूल ॥ जल॰

७१

॥श्री॥

नरसकुंडलजलप्रवनउरजलजनकीमा
ल॥जलजबदनपाजत जलजजलज
लियनरलाल॥१३॥टीका॥जलजमी
नमोतीजलजजलजकहतहैंचंद॥
जलजबंधुसूरविंदपानिनिरषिरूप
नरनंद॥१४॥मूल॥नगधरठाढेन
गतरेनगिरिजलसजतनुगअंग॥नगम
गरलोचनपगसघीनकोऊसंग॥१५

टीका॥ नग परवत नग वृक्ष कहि वक्र
रितन नग जानि॥ नग कहि पत्त है म
वन को क्रम सो ग्रथे व षानि॥ २६॥ मू०
जन तरू न घ्छ म घ्छ म्रवरा म घ्छ म घ्छ प्रभ
ग्रलिदास॥ म घ्छ सम म घ्छ व घ्छ म घ्छ पिपत
प्रवतन न म नघ्रास॥ २७॥ टीका॥ म घ्छ वस
तजल म घ्छ म्रवन प्रभ घ्छ निम घ्छ मकरंद॥ स
हत स्य ग न घ्छ म घ्छ ल घ्छ विभ्र मी ल म घ्छ मकर

॥७५॥

दो॥१८॥मूल॥साधु परम कलि काल करै मन
सोऊ नाऊं जाम॥कलि के कलक दहत है लह
त सुकवि विश्राम॥१९॥टीका॥कलि कहि
यत है सरीर माकलि पुनि कहि संग्राम॥क
लि कलप ग कलि पाप है क्रम सो सम झौ ना
म॥२०॥मूल॥दे स ग्रा त्मा आत्मा स ची आत्मा
भूप॥हो ऊ आत्मा आत्मा मात व ल पल है अनूप
२१॥टीका॥देस ग्रे मन आत्मा जीव आत्मा

जानि ॥ है सु मातु भनि आतमा जी उआतमा मानि
॥२२॥ मूल ॥ होत धनंजै प्रवल ज्यो मिले धनंजै आ
प आप ॥ भए धनंजै प सूर मा क्रम ससारथी पाप
॥२३॥ टीका ॥ प्रथम धनंजै पअग्नि है वहुरि ध
नंजै पवाप ॥ कहत धनंजै तीसरो अर्जुन दियो
बताय ॥२४॥ मूल ॥ अर्जुन कौ कीरति भई अर्जु
न देस विदेस ॥ सु अर्जुन सम नाम पो केसव
के उपदेस ॥२५॥ टीका ॥ अर्जुन कहिए पंडु सु

॥ ७३॥ तम्‍अर्जुनकहिएसेत॥ अर्जुनकहिए रथकेको
कमतेकुधिजनलेत॥ २६॥ मूल॥ पत्रीपत्रशो
शोहैपत्रीपत्रविचारि॥ पत्रीपत्रजुकर लि
पतहापत्रनिजधारि॥ २७॥ टीका॥ पछीको
परपत्रहैवाहनपत्रविचारि॥ पछपातसोप
त्रहैचित्रपत्रकहिचारि॥ २८॥ मूल॥ बरही
वेधतकामसरबरहीदेषतनैन॥ बरहीबर
हीमेउठैतसनिसनिबरहीचैन॥ २९॥ टीका

वरहीकहियराचरीवरहीतरुचकुमोर॥॥
अरहीपुनिसकुअग्निहैवरहीआनकुमोर
॥३०॥मूल॥नंदधामभैधामधरिआएपर
नधाम॥जासुधामकीधामलखिलेतमुनि
नकेकाम॥३१॥टीका॥धामसदनतनधाम
हैपरमजोतिहैधाम॥धामतेजअवतार
हैसोईश्रीघनस्याम॥३२॥मूल॥भवकीभव
करमूलमनकोनाहेभवपार॥छाडिभरम

३३

८४॥ पश्रापनो भ्रामतसचसंसार॥ टीका॥ भवसं
कूप भव भक्ति हे भवसागरसंसार॥ भवकी
एकलपानको क्रमसो काहकुचि चारि॥३४
मत॥ हरिमखहरि हगहरिसकटिहरिउ
रोजहरिहार॥३५॥ टीका॥ ससिमृगकेहरि
कनाश्रीहिदंतीकुसमपटीर॥ सुवरनसोहू
हरिकलतक्रमसोग निवेजोर॥३६॥ राजि
वकुउतकानमैराजिव नैन विशाल॥ राजि

वसुषदुषहरनहैउरष्य भराजिवमाल
॥३१॥ टीका॥ मकरकमलराजीवहैराजि
वहैपुनिचंद॥ राजिवम कासोकहैपीह
रश्रीनदनंद॥३२॥ मूल॥ षगढुतिकुंड
लषगवदनषगसमवरनविचारि॥ष
गवाहनषगपछसिरषगसहाइनिर
धारि॥३३॥ टीका॥ भानचंद्रमा घनग
रुडपषीसिर जिषमाणि॥ एसिगरेष

७५

गजाऽनिरक्रमसोऽग्रर्थवघानि॥४०॥मूल
॥सारगसमसारगविधिसारगसारगसा
म॥सारगदुतिसारगकरतसारगमुखछ
विधाम॥४१॥टीका॥कमलनपनतनघ
नतडितबसनश्रौरफनिचेद॥पोसगरे
सारगसहितराजतहैनदनेद॥४२॥मूल
॥कोटिवाम[illegible]मचा[illegible]तनश्रौरवामतन
वाम॥[illegible]चाम[illegible]कां[illegible]परम

चामघनस्याम॥४३॥अरितिपकुटिल
रूपंचरससेकरअरुदुतिचाम॥क्रमसो
नामविचारिएसकलचामकेनाम॥४४
॥मूल॥कंकंकंसमत्यागिएकेघरजगउ
पहास॥कंसबकीजेआपुकोकंपावैत
वदास॥४५॥टीका॥हेमकामसिषिकं
कहतश्रीसनीरकंजानि॥सुघआदिकं
कहतहैक्रमसोअर्थचषानि॥४६॥मू॥

७६ ... देतजोघंघंशोभादेत ॥त्यौ
धे नकलसरीरमै तिनसोकरूमतिलेत
४७ ॥टीका॥ नभनघक्रम्रलहरेघिघेधंदं
द्विनकेनाम ॥ क्रमसोचतुरविचारिकै क
लैअर्थसबधाम ॥ ४८ ॥ मूल ॥ करूसोक
रुकरूआदिकरूकरतजोरमननमूढ ॥ घ
टघटप्रभकरदेषिय भरीपचीसीगूढ ॥
॥टीका॥ चाह ... गनदेती चिवपकिरीन

M-80